राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 477

05 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

कच्चा इस्पात उत्पादन

477. श्री रेवती रमन सिंहः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बन गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन 2017 की तुलना में 2018 में 4.9 प्रतिशत बढ़ गया है; और

(ग) वर्ष 2019-20 के लिए कच्चे इस्पात के उत्पादन हेतु सरकार द्वारा क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी हाँ, विश्व इस्पात एसोसिएशन के आँकड़ों के अनुसार भारत वर्ष 2018 एवं 2019 में जापान को पीछे छोड़कर चीन के बाद कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया। वर्ष 2018 एवं 2019 में विश्व के पाँच सबसे बड़े कच्चे इस्पात उत्पादकों का ब्यौरा निम्नवत है:

विश्व के 5 शीर्ष कच्चा इस्पात उत्पादक: 2018, 2019*					
2018			**2019***		
क्र.	**देश**	**मात्रा (एमटी)**	**क्र.**	**देश**	**मात्रा (एमटी)**
1	चीन	920.0	1	चीन	996.3
2	**भारत**	**109.3**	**2**	**भारत**	**111.2**
3	जापान	104.3	3	जापान	99.3
4	संयुक्त राज्य अमेरिका	86.6	4	संयुक्त राज्य अमेरिका	87.9
5	दक्षिण कोरिया	72.5	5	रूस	71.6
स्रोत: वर्ल्ड स्टील, (*अनन्तिम)					

(ख): वर्ष 2018 में भारत में कच्चे इस्पात का उत्पादन 109.3 एमटी रहा, जो वर्ष 2017 के 101.5 एमटी से 7.7 प्रतिशत अधिक है।

(ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, अतः सरकार इस्पात उत्पादन के संबंध में कोई वार्षिक लक्ष्य निर्धारित नहीं करती है। वाणिज्यिक पहलुओं तथा बाजार की जरूरतों के आधार पर प्रत्येक कंपनी इस्पात उत्पादन की मात्रा के संबंध में निर्णय लेती है।

***